8 जनवरी 2018

संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी रणनीतिक दस्तावेज़: ओबामा से ट्रम्प तक

*डॉ. श्रुति बनर्जी**

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 दिसंबर 2017 को अपना पहला राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिक (एनएसएस)[1] दस्तावेज़ प्रकाशित किया। इस दस्तावेज़ का उपयोग वर्षों से न केवल अमेरिकी नागरिकों को , बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी को समझाने के लिए किया जाता रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा संबंधी प्राथमिकताओं, ऐसे मुद्दों के बारे में जो महत्वपूर्ण हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करते हैं और जिनके साधनों माध्यम से उन्हें इन सबके बारे में पता चलेगा। अपने कार्यकाल शुरू होने के लगभग एक साल बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने प्रशासन के विचारों को सार्वजनिक किया कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों को कैसे प्राप्त करेगा।

राष्ट्रीय हित चार महत्वपूर्ण मुद्दे - रणनीति के चार स्तंभों के रूप में संगठित किए गए हैं - जो एनएसएस की प्रतिबद्धता के आधार हैं। वो हैं:

i) मातृभूमि, अमेरिकी नागरिक और जीवन के अमेरिकी तरीके की रक्षा;
ii) अमेरिकी समृद्धि को बढ़ावा देना;
iii) शक्ति के माध्यम से शांति बनाए रखें और
iv) उन्नत अमेरिकी प्रभाव

यह एनएसएस और इसके चार विषय सैद्धांतिक यथार्थवाद [2] की वापसी द्वारा निर्देशित हैं। नए दस्तावेज़ के ये चार स्तंभ बराक ओबामा की राष्ट्रपति रहने के दौरान तैयार किए गए दो दस्तावेजों से बहुत भिन्न नहीं हैं। 2010 के एनएसएस दस्तावेज़ [3] ने संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए निम्नलिखित हितों को रेखांकित किया:

1 The National Security Strategy Document 2017 is available at https://www.whitehouse.gov/wp-content/uploads/2017/12/NSS-Final-12-18-2017-0905.pdf

2 The White House, "A New National Security Strategy for a New Era," https://www.whitehouse.gov/articles/new-national-security-strategy-new-era/, Accessed on 19 December 2017.

3 The National Security Strategy Document 2010 is available at http://nssarchive.us/NSSR/2010.pdf

i) संयुक्त राज्य अमेरिका , उसके नागरिकों और अमेरिक के मित्र- राष्ट्रों और सहयोगियों की सुरक्षा;
ii) एक खुली अंतरराष्ट्रीय अर्थ- व्यवस्था में अमेरिकी अर्ध-व्यवस्था एक मजबूत और अभिनव अर्थव्यवस्था है जो बेहतर मौका और स्मृद्धि को प्रोत्साहित करती है;
iii) देश और दुनिया भर में सार्वभौमिक मूल्यों का सम्मान; तथा
iv) अमेरिकी नेतृत्व द्वारा उन्नत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रोत्साहित करती है , जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत सहयोग के माध्यम से शांति , सुरक्षा और अवसर प्रदान करता है।

2015 के एनएसएस दस्तावेज़[4] जो राष्ट्रपति ओबामा द्वारा जारी किया गया दूसरा दस्तावेज़ है , ने इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाया। दस्तावेज़ में कहा गया है कि , " ये राष्ट्रीय हित, खासतौर पर बदलते वैश्विक परिवेश में , हम सभी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इन हितों को सबसे प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए हमें एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडे का पालन करना चाहिए , जिसके तहत संसाधनों का आवंटन करना चाहिए, और कांग्रेस के साथ मिलकर काम करना चाहिए। फिर भी हमारे संसाधन कभी असीम नहीं होंगे। नीतिगत दुविधाओं के लिए और कठिन विकल्प बनाने होंगे। ऐसे मिसालों में हम उन प्रयासों को प्राथमिकता देंगे, जो हमारे हितों के मद्देनजर शीर्ष रणनीतिक जोखिमों पर ध्यान आकर्षित करते हैं:

- अमेरिकी मातृभूमि या महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना ढांचे पर विनाशकारी हमला;
- विदेश में अमेरिकी नागरिकों और हमारे सहयोगियों के खिलाफ खतरा बनना या हमला करना;
- वैश्विक आर्थिक संकट या व्यापक आर्थिक मंदी
- सामूहिक विनाश के हथियारों का प्रसार और / या उपयोग;
- गंभीर वैश्विक संक्रामक रोग का प्रकोप;
- जलवायु परिवर्तन
- प्रमुख ऊर्जा बाजार में व्यवधान; तथा
- कमजोर या विफल राज्यों (बड़े पैमाने पर अत्याचार , क्षेत्रीय स्पिलओवर, और ट्रांसन संगठित अपराध सहित) से जुड़े महत्वपूर्ण सुरक्षा परिणाम।"

सभी तीन दस्तावेज़ अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अमेरिका के हितों और सुरक्षा के उद्देश्यों का एक विस्तृत विवरण हैं। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है जो विभिन्न मुद्दों पर प्रशासन के विश्वव्यापी दृष्टिकोण और संभावित कार्रवाइयों को पेश करता है , जिसे यह अपने कार्यकाल के दौरान उक्त मुद्दों का हल करने की जिम्मेवारी लेता है।

यह कागज राष्ट्रपति ट्रम्प के एनएसएस को समझने और 2015 और 2010 में राष्ट्रपति ओबामा द्वारा प्रस्तुत एनएसएस से इसकी तुलना करने का एक प्रयास है, जो वर्तमान रणनीति दस्तावेज़ में निरंतरता के अलावा परिवर्धन को भी ढूंढ़ता है।

---

4 The National Security Strategy Document 2015 is available at http://nssarchive.us/wp-content/uploads/2015/02/2015.pdf

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति दस्तावेज़: राष्ट्रपति ट्रम्प और राष्ट्रपति ओबामा

राष्ट्रपति / मुद्दे	राष्ट्रपति ट्रम्प (2017)	राष्ट्रपति ओबामा (2015)	राष्ट्रपति ओबामा (2010)
नेतृत्व कैसे करें	दस्तावेज़ में कहा गया है, "(यह) ... राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति अमेरिका को पहले स्थान पर रखती है । अमेरिका का पहला राष्ट्रीय सुरक्षा र णनीति अमेरिकी सिद्धांतों पर आधारित है , जो अमेरिकी हितों के मद्देनजर स्पष्ट नजरिया रखता है, और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़ संकल्प है। यह सैद्धांतिक यथार्थवाद की एक रणनीति है जो नतीजों से निर्दे शित होती है , विचारधारा से नहीं। "[5]	एनएसएस ने कहा , "यह नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति संयुक्त राज्य अमेरिका को मजबूत और स्थायी नेतृत्व के माध्यम से हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए नियुक्त करती है .... सवाल यह नहीं है कि अमेरिका नेतृत्व करेगा या नहीं; बल्कि यह है कि भविष्य में हम कैसे करेंगे ; यह हमारे पूरे राजनीतिक स्पेक्ट्रम में एक मजबूत आम सहमति को टिकाये रखती है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उद्देश्य, ताकत, मिसाल के साथ , सक्षम भागीदारों को साथ लेकर अमेरिकी की ताकत के सभी उपकरणों के साथ और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व करेंगे।"[6]	राष्ट्रपति ओबामा के पहले एनएसएस ने कहा, "हमारा दृष्टिकोण अमेरिकी नेतृत्व के लिए एक मजबूत नींव बनाने की प्रतिबद्धता के साथ शुरू होता है , क्योंकि हमारी सीमाओं के भीतर जो होता है , वह हमारी ताकत और उनसे परे प्रभाव को निर्धारित करेगा ...।"[7]

5 The White House, "National Security Strategy of the United States of America 2017," https://www.whitehouse.gov/wp-content/uploads/2017/12/NSS-Final-12-18-2017-0905.pdf, Accessed on 19 Dec. 17.
6 The White House, " National Security Strategy of the United States of America 2015," http://nssarchive.us/wp-content/uploads/2015/02/2015.pdf, Accessed on 19 Dec. 17.

7 The White House, " National Security Strategy of the United States of America 2010," http://nssarchive.us/NSSR/2010.pdf, Accessed on 19 Dec. 17

सीमा नियंत्रण और अप्रवासन नीति	"हमारी सीमाओं और अप्रवासन प्रणाली पर नियंत्रण को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा , आर्थिक समृद्धि और कानून के शासन के केंद्र बिंदु है। अप्रवासियों ने हमारे राष्ट्र के पूरे इतिहास में अपना क्या योगदान दिया है , अमेरिका इसे समझता है । हालांकि, अवैध अप्रावसन अर्थव्यवस्था पर बोझ डालता है , अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाता है , सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम बनते हैं , और तस्करों तथा अन्य अपराधियों को फलने-फूलने दे ता है। संयुक्त राज्य अमेरिका दीवार के निर्माण के माध्यम से सीमा सुरक्षा ब ढ़ाएगा, पुनर्निरीक्षण, सीमाओं की बहु स्तरीय रक्षा, अप्रवासन कानूनों को लागू करेगा और अवैध आवाजाही के रास्ते में सुरक्षा बढ़ाएगा।"	कोई संदर्भ नहीं (नो रेफरेंस- एन.आर.)	"संयुक्त राज्य अमेरिका अप्रवासियों का देश है। हमारी क्षमता , दुनिया के लिए हमारे संबंधों , और हमारी आर्थिक समृद्धि हमारे राष्ट्रों की आप्रवासियों के स्वागत और आत्मसात करने की क्षमता पर निर्भर करती है , और एक वीजा प्रणाली , जो दुनिया भर के कुशल पेशेवरों का स्वागत करती है। साथ ही , प्रभावी सीमा सुरक्षा और अप्रवासी प्रवर्तन को देश सुरक्षित रखना चा हिए और गैरकानूनी प्रविष्टि को रोकना चाहिए। वास्तव में, अप्रवासन नीति में लगातार समस्याएं अन्य सुरक्षा संबंधी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी मूल्यवान संसाधनों का उपभोग करती हैं और हमारे देश के सामने आने वाले बड़े खतरों पर ध्यान केंद्रित करना कठिन बनाती हैं। अंततः, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और खुलेपन के बीच संतुलन बनाने पर निर्भर करती है। इस लक्ष्य को आगे बढ़ाने

			के लिए हमें अप्रवासन के मुद्दे पर एक व्यापक सुधार का अनुसरण करना चाहिए, जो हमारी सीमाओं को प्रभावी ढंग से सुरक्षित करता है , जबकि एक टूटी हुई प्रणा ली की मरम्मत करता है , जो हमारे राष्ट्र की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहता है। ”
आर्थिक समृद्धि	"हम (संयुक्त राज्य अमेरिका) निष्पक्षता, पारस्परिकता और नियमों के प्रति विश्वसनीय सभी आर्थिक संबंधों का स्वागत करते हैं। वे लोग जो इस खोज में लगे रहते हैं वे हमारे निकटतम आर्थिक भागीदार होंगे। लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका अब नियमों का उल्लंघन, धोखा, या आर्थिक आक्रामकता की अनदेखी नहीं करेगा।" एनएसएस कहता है कि "संयुक्त राज्य अमेरिका अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौतों को आगे बढ़ाएगा ...।" दस्तावेज़ में "...	"अपनी सफलता के बावजूद, नियम-आधारित हमारी प्रणाली अब वै कल्पिक, अपेक्षाकृत कम-खुले मॉडल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रही है .... अपनी व्यापार और निवेश नीतियों के माध्यम से हम वैश्वीकरण को आकार देंगे; ताकि यह अमेरिकी श्रमिकों के लिए काम करे । अपनी बेहतर आर्थिक और ऊर्जा की स्थिति का लाभ उठाकर , हम वैश्विक वित्तीय प्र णाली को मजबूत करेंगे और उच्च-मानक व्यापार समझौते को आगे बढ़ाएंगे।”	“प्रत्येक अमेरिकी को उस अवसर को , जिस पर हमारी समृद्धि निर्भर करती है ; को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए हमें आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना चाहिए। उस नींव में हर अमेरिकी के लिए एक पूर्ण और प्रतिस्पर्धी शिक्षा तक पहुंच शामिल होनी चाहिए ; जिस तरह से हम ऊर्जा का उत्पादन और उसका उपयोग करते हैं, उसका एक रूपांतर है , ताकि हम जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता को कम करें और नई नौकरियों और उद्योग बनाने में दुनिया का नेतृत्व करें ; गुणवत्ता से समृद्ध,

	नियामक बोझ को कम करके, अमेरिका के आधारभूत संरचना में सुधार और राजकोषीय जिम्मेदारी को कम करके अर्थव्यवस्था को फिर से जीवंत करना " पर प्रकाश डाला गया है। प्रशासन ने नवाचार और उद्यमशीलता कार्यक्रमों का समर्थन करने के साथ- साथ अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए कर सुधारों का भी प्रस्ताव रखा है। "यह विदेशी एसटीईएम छात्रों को प्रतिबंधित करने पर विचार कर बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करने और वीजा प्रक्रिया को कड़ा करने की भी बात करता है।		सस्ती स्वास्थ्य संबंधी देखभाल तक लोगों के लिए सुलभ बनाएं , ताकि हमारे नागरिक, व्यवसाय और सरकार बढ़ती लागतों से विवश नहीं है ; और हमारे संघीय बजट का एक जिम्मेदार प्रबंधन है; ताकि हम अपनी प्राथमिकताओं को संतुलित करें और कर्ज के बोझ तले न दबें। सफल होने के लिए हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अमेरिका विज्ञान और नवाचार के अग्रणी छोर पर रहें , जो हमारी समृद्धि, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नेतृत्व का समर्थन करता है।" एनएसएस ने "... स्थायी विकास और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के लिए खतरे और अं तरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ सहयोग का निर्माण " करने पर जोर दिया।
ऊर्जा सुरक्षा	दस्तावेज़ों में कहा गया है कि, "प्रचुर मात्रा में कोयला, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम जैसे नवीकरणीय और	"अमेरिका का ऊर्जा पुनरुद्धार न केवल विकास के लिए अच्छा है, यह कुछ लोगों द्वारा ऊर्जा के	"हमें ऊर्जा उपयोग करने का तरीका बदलना चाहिए - आपूर्ति में विविधता लाना, नवाचार में

	परमाणु-मुक्त ऊर्जा संसाधन अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करता है और भविष्य के विकास की नींव को गढ़ता है। और राष्ट्र इन सभी संसाधनों का लाभ उठाएगा।"	जबरदस्त उपयोग के खिलाफ नया प्रतिरोधक प्रदान करता है और दूसरों को निम्न- कार्बन अर्थव्यवस्थाओं में संक्रमण करने में मदद के नए अवसर प्रदान करता है। "रोम की घोषणा में किए गए प्रतिबद्धताओं का अनुसरण करने और हमारे माध्यम से ... अपेक्षाकृत कम कार्बनवाली दुनिया के लिए ऊर्जा रणनीति सुरक्षा को और अधिक बढ़ाया जाएगा। एक अधिक कुशल देश बनने के दौरान हम अमेरिकी जीवा श्म संसाधनों का विकास करना जारी रखेंगे जो स्वच्छ, वैकल्पिक ईंधन और वाहन विकसित करता है। हम अपने कार्बन उत्सर्जन ... को कम कर सकते हैं और यह करते हुए अमेरिका वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व कर सकता है, हम यह दिखा रहे हैं।"	निवेश करना और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी का विस्तार करना। ऐसा कर हम ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाएंगे, रोजगार सृजित करेंगे और जलवायु परिवर्तन से लड़ेंगे।"
जलवायु परिवर्तन	जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दस्तावेज़ साफ क रता है कि , "संयुक्त राज्य अमेरिका	जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर एनएसएस ने कहा, "अमेरिका इस चुनौती का सामना	जलवायु परिवर्तन को एक महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौती के रूप में संबोधित करते हुए ,

	ऊर्जा सुरक्षा , आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करने वाले दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता रहेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था का विस्तार करते हुए पारंपरिक प्रदूषण , साथ ही ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के मामले में विश्व की अगुवाई करेगा।"	करने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर प्रयास कर रहा है। इसमें आगे कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन ने अपने कार्बन उत्सर्जन को कम क रने के लिए राष्ट्रों के प्रयासों में मदद करने के लिए ग्रीन क्लाइमेट फंड में पर्याप्त योगदान किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका भी पाइपलाइनों से मिथेन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय वस्तुओं के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते को शुरू करने के लिए सामूहिक कार्रवाई कर रहा था।"	दस्तावेज़ ने कहा , "जलवायु परिवर्तन से खतरा वास्तविक, जरूरी और गंभीर है .... संयुक्त राज्य अमेरिका इसलिए विज्ञान के स्पष्य मार्गदर्शन और सभी देशों... के सहयोग से जलवायु परिवर्तन का सामना करेगा।" एक दो तरफा रणनीति में यह कहा गया है कि, "संयुक्त राज्य अमेरिका घरेलू स्तर पर अपनी ऊर्जा अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देगा, अमेरिकी घरेलू परमाणु उद्योग को फिर से मजबूत करेगा , अपनी दक्षता मानकों को बढ़ाएगा, अक्षय ऊर्जा में निवेश करे गा और जो स्वच्छ ऊर्जा , जो कि लाभदायक ऊर्जा है ; का उत्पादन करते हैं उन्हें प्रोत्साहित करेगा । संयुक्त राज्य अमेरिका जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर कोपेनहेगन समझौते को लागू करना और सुनिश्चित करेगा कि सभी देश इस मुद्दे पर निर्णायक कार्रवाई करें।"
सुरक्षा	एनएसएस दस्तावेज़ ने	“संयुक्त राज्य अमेरिका	“इस प्रशासन के पास

	निर्धारित किया , "चीन और रूस के संशोधनवादी शक्तियों के तीन मुख्य समूह, ईरान और उत्तर कोरिया के धूर्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धमकी देनेवाले संगठन .... संयुक्त राज्य अमेरिका यह सुनिश्चित करके कि हमारी सैन्य शक्ति किसी से पीछे नहीं है और हमारे सहयोगियों और हमारी शक्ति के सभी उपकरणों के साथ पूरी तरह एकीकृत है ; अपने प्रतियोगियों के साथ सहयोग के क्षेत्रों की तलाश करेगा।" दस्तावेज़ ने इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रक्षा औद्योगिक आधार को महत्वपूर्ण बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।	की सरकार के पास अमेरिकी नागरिकों की रक्षा करने से बड़ी कोई जिम्मेदारी नहीं है। फिर भी, हमारा दायित्व हमारी सीमाओं पर समाप्त नहीं होते हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को रेखांकित करने में अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हैं ; क्योंकि यह हमा रे हितों को पूरा करता है, मित्र-राष्ट्र और सहयोगियों के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता है और उन खतरों को संबोधित करता है जो असल में वैश्विक हैं।" दस्तावेज़ ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) कर प्रतिष्ठा को भी प्राथमिकता प्रदान की। दस्तावेज़ में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपने राष्ट्रीय सुरक्षा बलों को मजबूत करेगा, मातृभूमि की सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा , संघर्ष को रोकने की क्षमता का निर्माण करते हुए आतंकवाद के लगातार	अमेरिकी लोगों की सुरक्षा से बड़ी कोई जिम्मेदारी नहीं है। इसके अलावा , हम अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका की अनोखी जिम्मेदारी को अपनाते हैं - एक ऐसी जिम्मेदारी, जो हमारी प्रतिबद्धताओं को सहयोगी दलों तक पहुंचती है , वहीं एक न्यायसंगत और टिकाऊ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और हमारी बेजोड़ सैन्य क्षमताओं का समर्थन करने में हमारी अग्रणी भूमिका है। "

		बढ़ते खतरे का सामना करेगा, सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार और उपयोग को रोकने, जलवायु परिवर्तन का सामना करने , और साझा स्थानों के उपयोग का आश्वासन देगा। इसने संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के रूप में वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की बढ़ती आवश्यकता को भी संबोधित किया।	
परमाणु बल	"संयुक्त राज्य अमेरिका को हमारे परमाणु ट्रायड द्वारा और विदेश में तैनात अमेरिकी थियेटर परमाणु न्यूक्लियर द्वारा प्रदान की जाने वाली विश्वस नीय बाधा और आश्वासन देने की काबिलियत को बरकरार रखना होगा।" "संयुक्त राज्य अमेरिका एक परमाणु शक्ति बना रहेगा और परमाणु हथियार की दौड़ में शामिल न होकर यह अमेरिकी परमाणु शस्त्रागार और आधारभूत संरचना को बनाए रखने के लिए निवेश करेगा, जो आने वाले दशकों में राष्ट्री य सुरक्षा खतरों से	(कोई संदर्भ उपलब्ध नहीं)	"अपने निवारक की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता को सुनिश्चित करते हुए हम अपने परमाणु शस्त्रागार को कम कर रहे हैं और परमाणु हथियारों पर निर्भरता को कम कर रहे हैं , जबकि हमारे हैं।" "जब तक किसी भी परमाणु हथियार का अस्तित्व है , संयुक्त राज्य अमेरिका एक संरक्षित, सुरक्षित और प्रभावी परमाणु शस्त्रागार को बनाए रखेगा, दोनों ही संभावित प्रतिकूलताओं को रोकने और अमेरिकी सहयोगियों

	निपटने में पूरी तरह से सक्षम है।"		और अन्य सुरक्षा साझेदारों को आश्वस्त करने के लिए कि वे अमेरिका की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर भरोसा कर सकते हैं।"
अंतरिक्ष	"संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरिक्ष में एक महत्वपूर्ण हित के लिए अपरिवर्तित पहुंच और स्वतंत्रता संचालन पर विचार करता है। हमारे अंतरिक्ष वास्तुकला के महत्वपूर्ण घटकों पर हमले या इसमें किसी भी तरह का हानिकारक हस्तक्षेप , जिससे महत्वपूर्ण अमेरिकी हित सीधे प्रभावित होते हैं , तो उसे हमारी सहूलियत के मुताबिक समय, स्थान, तरीके और विचार क्षेत्र के तहत एक सुचिंतित प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।"	"जितना तेजी से तमाम देश अंतरिक्ष से लाभ प्राप्त करते हैं ; उसे देखते हुए ऐसे देश , जो बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग से इनकार करना चाहते हैं... हमें उन खतरों से निपटने के लिए एक साथ आना चाहिए। हम अपने अंतरिक्ष प्रणाली ; पर हमले की कोशिशों को विफल बनाने के लिए ऐसे तकनीक और रणनीति विकसित करेंगे, जो ऐसे हमलों का संकेत, चेतावनी और उसकी गति को सक्षम करें ; और महत्वपूर्ण अमेरिकी अंतरिक्ष क्षमताओं का लचीलापन बढ़ाएं। "	"अंतरिक्ष में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए, हम आत्मरक्षा के अधिकार के अनुरूप गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे, तथा मित्र-राष्ट्रों और दोस्तों के साथ सहयोग को और गहरा करेंगे तथा अंतरिक्ष के जिम्मेदाराना और शांतिपूर्ण उपयोग की दिशा में सभी देशों के साथ मिल कर काम करेंगे।"
सामूहिक संहार वाले हथियार	"हमें परमाणु , रासायनिक, रेडियोधर्मी और जैविक हमलों को रोकना होगा , आतंकवादियों को हमारी मातृभूमि तक पहुंचने से रोकना होगा; नशीली दवाओं और मानव तस्करी को कम करना	"बड़े पैमाने पर विनाश के हथियारों, विशेष रूप से परमाणु हथियार , के संभावित प्रसार गंभीर खतरा पैदा करते हैं।" "देशों और गैर- राज्य अभिकर्त्ताओं को परमाणु, रासायनिक, या जैविक हथियारों को	"दुनिया के सबसे खतरनाक हथियारों की मदद से होनेवाले आतंकवादी कृत्यों को रोकने के लिए , हम 2013 के अंत तक सभी अतिसंवेदनशील परमाणु सामग्री को सुरक्षित करने और

	होगा और साथ में अपने महत्वपूर्ण अधारभूत संरचना की रक्षा करना होगा। .... हम जिहादी आतंकवादियों और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन के स्रोत को निशाना बनाएंगे और उनका साथ देने वाले नेटवर्क को नष्ट कर देंगे।"	विकसित करने या उन्हें प्राप्त करने से रोकने के लिए सतर्कता की आवश्यकता है। **लीबिया** और **सीरिया** में रासायनिक हथियारों को हटाने और उन्हें नष्ट करने के हमारे प्रयास रासायनिक शस्त्र समझौते के सार्वभौमिकरण की दिशा में कार्यान्वयन और प्रगति में हमारे नेतृत्व को दर्शाते हैं।"	परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए नाटकीय रूप से द्रुत और तेजी से प्रयास कर रहे हैं। हम जीवन में ज्ञान और क्षमताओं और रासायनिक विज्ञानों की सुरक्षा के लिए भी कार्रवाई करेंगे जो दुरुपयोग के लिए हुत ही संवेदनशील हो सकते हैं। "
		"गैर-जिम्मेदार राज्यों या आतंकवादियों द्वारा परमाणु हथियारों और सामग्रियों के संभावित उपयोग के रूप में हमारी सुरक्षा और भलाई को किसी तरह का खतरा नहीं है। इसलिए हम बिना परमाणु हथि यारों के दुनिया की शांति और सुरक्षा चाहते हैं। जब तक परमाणु हथियार मौजूद हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका को बनाए रखने के लिए आवश्यक संसाधनों पर निवेश करना होगा - परीक्षण के बिना - एक संरक्षित, सुरक्षित और	संयुक्त राज्य अमेरिका "... आपूर्ति श्रृंखला हासिल करने और सामूहिक विनाश के हथियारों के साथ हमारी सीमाओं तक पहुंचने से पहले उनका पता लगाने ... " के लिए भी प्रतिबद्ध है।

		प्रभावी परमाणु निवारक, जो रणनीतिक स्थिरता बनाए रखता हो। ”	
आतंकवाद	“सीरिया और इराक में आईएसआईएस और अल-क़ायदा की क्षेत्रीय हार के बाद भी, जिहादी आतंकवादियों से खतरा बना रहेगा …। संयुक्त राज्य अमेरिका सहयोगियों और भागीदारों के साथ मिल कर अन्य विदेशी आतंकवादी समूहों को रोकने और बाधित करने के लिए भी काम करता है, जो मातृभूमि के लिए खतरा हैं …. अमेरिकी सेना और अन्य संचालक एजेंसियां आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ सीधी कार्रवाई करेंगी और उन आतंकवादियों का पीछा करेंगी , जो मातृभूमि और अमेरिकी नागरिकों के लिए खतरा हैं …. हमारे सहयोगी और साझेदार , जो खुद भी आतंकवाद के निशाने पर हैं , इन बर्बर समूहों से लड़ने में जिम्मेदारी साझा करना जारी रखेंगे।”	“आतंकवादियों द्वारा हमारी मातृभूमि के खिलाफ भयावह हमलों का खतरा कम हो गया है लेकिन अभी भी गुंजाइश बनी हुई है। अस्थिरता, सीमित अवसर और टूटे हुए शासन के क्षेत्रों में आतंकवादी खतरों का तनाव बढ़ता गया है। हमारे विरोधी किसी अलग देश या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं हैं। इसके बजाय, वे दक्षिण एशिया से लेकर मध्य पूर्व और अफ्रीका में हैं …. हमारे आतं कवाद विरोधी दृष्टिकोण कई राष्ट्रों के साथ मिल कर काम कर रहा है, जिनमें सोमालिया , अफगानिस्तान और इराक शामिल हैं।"	“हमारी सेना सैन्य अभियानों की पूरी श्रृंखला को संभालने के लिए तैयार है, यह सुनिश्चित करते हुए हम आतंकवाद और विद्रोह का मुकाबला करने, स्थिर संचालन , और तेजी से बढ़ते परिष्कृत सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य क्षमताओं का पुनर्संतुलन जारी रखेंगे। अमेरिकी धरती पर आतंकवाद के कृत्यों को रोकने के लिए, हमें अपनी सभी खुफिया , कानून प्रवर्तन और मातृभूमि सुरक्षा क्षमताओं को लागू करना जरूरी है।” "दुनिया के सबसे खतरनाक हथियारों के बल पर होनेवाले आतंकवादी कृत्यों को रोकने के लिए , हम 2013 के अंत तक सभी अतिसंवेदनशील परमाणु सामग्री को सुरक्षित करने और परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के

			लिए नाटकीय रूप से अपने प्रयास में गति और तेजी ला रहे हैं।"
साइबर सुरक्षा	"आज, साइबरस्पेस राज्य और गैर- राज्य अभिकर्त्ताओं को अमेरिकी राजनैतिक , आर्थिक और सुरक्षा हितों के खिलाफ अभियान चलाने की क्षमता प्रदान करता है , जो कभी हमारी सीमाओं को पार किए बिना भी होता है।" "साइबर-हमला आधुनिक संघर्ष की एक प्रमुख विशेषता बन गयी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ साइबरस्पेस क्षमताओं का उपयोग करने वाले दुर्भावनाओं से ग्रस्त अभिकर्त्ताओं को जब कभी जरूरत हो संयुक्त राज्य अमेरिका इससे अपना बचाव करेगा और इन्हें रोकेगा। "	"हम साइबर सुरक्षा के लिए वैश्विक मानकों को आकार दे रहे हैं और साइबर खतरों को बाधित और जांच करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्षमता का निर्माण कर रहे हैं।" "स्वैच्छिक साइबर-सुरक्षा संरचना पर बढ़ते आकर्षण को देखते हुए हम संघीय नेटवर्क को सुरक्षित कर रहे हैं और निजी क्षेत्रों , नागरिक समाज और अन्य हितधारकों के साथ मिल कर काम कर रहे हैं ताकि अमेरिकी महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना की सुरक्षा और लचीलेपन को मजबूत किया जा सके... हम अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय कानून से अपना खुद का बचाव करेंगे, साइबर हमलों और दुर्भावनापूर्ण साइबर अभिकर्त्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करेंगे , जिसमें अवैध साइबर गतिविधि के खिलाफ मुकदमा भी शामिल है। हम अन्य देशों को	"साइबर-सुरक्षा सबसे गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा , सार्वजनिक सुरक्षा और एक राष्ट्र के रूप में हमारे सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों का मामला हैं। हमारे सामने व्यक्तिगत आपराधिक हैकरों से लेकर संगठित आपराधिक समूहों जैसे आतंकवादी नेटवर्क से लेकर उन्नत राष्ट्र राज्यों तक के खतरे हैं। उस लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए हम सरकार और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर और अधिक सुरक्षित तकनीक डिजाइन करने के लिए काम कर रहे हैं, जो हमें महत्वपूर्ण सरकारी और उद्योग प्रणालियों तथा नेटवर्क की लचीलेपन को बेहतर बनाने और बेहतर सुरक्षा क्षमता प्रदान करता है। न तो सरकार और न ही निजी क्षेत्र और न ही व्यक्तिगत नागरिक इस चुनौती को अकेले पूरा कर सकते हैं - हम उन तरीकों का विस्तार

		कानून विकसित करने में सहायता करेंगे , जो उनके बुनियादी ढांचे पर उत्पन्न खतरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में सक्षम हों। वैश्विक स्तर पर , साइबर-सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के पुराने मानदंडों - इसमें बौद्धिक संपदा के संरक्षण, ऑनलाइन स्वतंत्रता, और नागरिक बुनियादी ढांचे के लिए सम्मान शामिल है - को बरकरार रखना , और प्रमुख हितधारकों के रूप में नागरिक समाज और इंटरनेट उपयोगकर्ता इंटरनेट को राज्यों और निजी क्षेत्र के बीच एक साझा जिम्मेदारी की तरह प्रबंधित किया जाना जरूरी है।"	करेंगे, जिसमें हम एक साथ काम करेंगे। हम साइबरस्पेस ... में स्वीकार्य आचरण के लिए मानदंडों के विकास सहित कई मुद्दों पर अपनी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को मजबूत करेंगे।"
भारत-प्रशांत	***"यह क्षेत्र जो भारत के पश्चिमी तट से लेकर संयुक्त राज्य के पश्चिमी तटों तक फैला है,*** दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला और आर्थिक रूप से गतिशील हिस्से है। हमारे गणराज्य के शुरुआती दिनों से अमेरिकी हित स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक	(एनएसएस ने अपने दस्तावेज़ में इस क्षेत्र का जिक्र एशिया प्रशांत के रूप में किया है।) "संयुक्त राज्य अमेरिका प्रशांत क्षेत्र की एक बड़ी ताकत रहा है और बना रहेगा। इसने कहा, इस क्षेत्र की सुरक्षा गतिशीलता -जिसमें विवादास्पद समुद्री क्षेत्र	(दस्तावेज़ में इंडो-पैसिफिक शब्द का कोई उल्लेख नहीं है। यह एशिया प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका के एशियाई सहयोगियों का उल्लेख करता है।) "**जापान दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, और थाई लैंड के साथ हमारा गठबंधन** एशिया

	में फैला हुआ हैं। **"चीन** ने क्षेत्र में अमेरिकी पहुंच को सीमित करने और चीन को खुली छूट देने के लिए इसका डिज़ाइन एक तीव्र सैन्य आधुनिकीकरण अभियान चला कर किया है। चीन अपनी महत्वाकांक्षाओं को पारस्परिक लाभ के रूप में प्रस्तुत करता है , लेकिन चीनी प्रभुत्व का जोखिम भारत-प्रशांत में कई राज्यों की संप्रभुता को कम करता है।" "पूर्वोत्तर एशिया में , **उत्तर कोरियाई** शासन अपने साइबर , परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को तेजी से बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया द्वारा इन हथियारों की खोज एक वैश्विक खतरा है , जिसके लिए वैश्विक प्रतिक्रिया जरूरी है। उत्तर कोरिया पड़ोसी देशों को लगातार तेजी से उकसाएगा और अमेरिका सुरक्षा बांडों को और मजबूत करने तथा खुद की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त उपाय करेगा। " "दक्षिण कोरिया के साथ हमारे	का दावा और उत्तर कोरिया का उकसावा शामिल है - जोखिम और संघर्ष को बढ़ाता है। क्षेत्र का दीर्घकालिक लक्ष्य को आकार देने , स्थिरता व सुरक्षा को बढ़ाने, एक खुले और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से व्यापार और वाणिज्य सुविधाजनक बनाने और सार्वभौमिक अधिकारों और स्वतंत्रता के सम्मान के लिए अमेरिकी नेतृत्व आवश्यक रहेगा। " "हम **जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया** और **फिलीपींस** के साथ अपने गठबंधनों का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने में पूरी तरह से सक्षम हैं , यह सुनिश्चित करने के लिए उनके बीच बातचीत को बढ़ा रहे हैं। हम सामूहिक नियमों और मानदंडों को सुदृढ़ करने के लिए **आसियान, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग** जैसे क्षेत्रीय	में सुरक्षा के आधार और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में समृद्धि की नींव हैं। इन गठबंधनों ने कड़ी मेहनत से शांति हासिल की है और प्रशांत महासागर में समझ के पुलों को मजबूत किया है। 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में , अमेरिका, एशिया और वैश्विक सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि वे 21 वीं सदी में गतिशील और प्रभावी हों। "

	गठबंधन और दोस्ती को इतिहास के परीक्षणों से गढ़ कर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत किया गया है। हम अपने महत्वपूर्ण सहयोगी **जापान** के मजबूत नेतृत्व भूमिका का स्वागत करते हैं और उसका समर्थन करते हैं। **ऑस्ट्रेलिया** ने हर महत्वपूर्ण संघर्ष में हमारे साथ संघर्ष किया है ... और आर्थिक तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना जारी रखा है, जो हमारे साझा हितों का समर्थन करता है और पूरे क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करता है। **न्यूजीलैंड** एक प्रमुख अमे रिकी साझेदार है जो पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा में योगदान देता है। ***हम एक अग्रणी वैश्विक शक्ति और मजबूत रणनीतिक और रक्षा भागीदार के रूप में उभरते भारत का स्वागत करते हैं।"*** "दक्षिण पूर्व एशिया में , **फिलीपींस** और **थाईलैंड** अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण सहयोगी और	संस्थानों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साझा चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रतिक्रिया तैयार करते हैं, और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को सुनिश्चित करने में मदद करते हैं । इन प्रयासों के लिए टीपीपी आवश्यक है। "**वियतनाम, इंडोनेशिया और मलेशिया** के साथ दक्षिण पूर्व एशिया में हमारे द्वारा बनाई जा रही गहन साझेदारी का यह एक महत्वपूर्ण केंद्र है। हम उत्तर कोरिया में लोकतंत्र जल्द लौटाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए दक्षिण कोरिया, जापान, फिलीपींस और थाईलैंड के साथ अपने संधि दायित्वों को बनाए रखेंगे। हम **बर्मा** के लोगों का लोकतांत्रिक समेकन और राष्ट्रीय सुलह सहित सुधारों को बढ़ाने और बनाए रखने का समर्थन करेंगे।" "संयुक्त राज्य अमेरिका एक स्थिर , शांतिपूर्ण और समृद्ध **चीन** के	

	बाजार बने हुए हैं। **वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर** संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा और आर्थिक साझेदार बढ़ रहे हैं। **दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान) और एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (APEC)** इंडो-पैसिफिक के क्षेत्रीय वास्तुकार और आजादी पर आधारित व्यवस्था का प्रोत्साहन करने के लिए मंच का मुख्य हिस्सा बना हुआ हैं।" "**ताइवान** की वैध रक्षा जरूरतों और सुरक्षा के लिए बाध्य करने के लिए ताइवान संबंध अधिनियम के तहत हमारी प्रतिबद्धता के साथ अपनी "वन चाइना" नीति के अनुसार हम ताइवान के साथ अपने मजबू त संबंधों को बनाए रखेंगे। ***हम भारत के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार करेंगे, पूरे क्षेत्र में एक प्रमुख रक्षा साझेदार के तौर पर भारत के बढ़ते संबंधों का संयुक्त राज्य अमेरिका समर्थन***	उदय का स्वागत करता है। हम चीन के साथ एक रचनात्मक संबंध विकसित करना चाहते हैं जो हमारे दो लोगों को लाभ पहुंचाता है और एशिया और पूरी दुनिया में सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देता है। हम समूहिक क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन , सार्वजनिक स्वास्थ्य , आर्थिक विकास , और कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर सहयोग चाहते हैं।" ***"दक्षिण एशिया में, हम अपने रणनीतिक और आर्थिक साझेदार को मजबूत करना जारी रखते हैं। सुरक्षा के मामले में एक क्षेत्रीय प्रदाता और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संस्थानों में इसकी विस्तारित भागीदार के रूप में भारत की भूमिका का हम समर्थन करते हैं।"***	

	करेगा।"		
यूरोप	"हालांकि सोवियत साम्यवाद का खतरा खत्म हो गया है , नए खतरे हमारी चाह की परीक्षा लेते हैं। यूरोप के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता की विश्वसनीयता को कमजोर करने , ट्रांसअटलांटिक एकता को कमजोर करने और यूरोपीय संस्थानों और सरकारों को कमजोर करने के लिए **रूस** विध्वंसक उपायों का उपयोग कर रहा है। ... **चीन** अपनी अनुचित व्यापार प्रथाओं का विस्तार करके और प्रमुख उद्योगों , संवेदनशील प्रौद्योगिकियों और आधारभूत संरचना में निवेश करके यूरोप में एक रणनीतिक पायदान हासिल कर रहा है। यूरोप भी हिंसक इस्लामी चरमपंथियों से तत्काल खतरों का सामना करता है।" "संयुक्त राज्य अमेरिका अपने यूरोपीय सहयोगियों और साझेदारों के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। स्वतंत्र	"**नाटो** दुनिया का अब तक का सबसे मजबूत गठबंधन है और यह एक विस्तारित वैश्विक सुरक्षा नेटवर्क का केंद्र है। सभी नाटो सदस्यों की सामूहिक रक्षा के लिए हमारी अनुच्छेद 5 की प्रतिबद्धता विडंबना है, जैसा कि गठबंधन और संकट की प्रतिक्रिया और सहकारी सुरक्षा के लिए तैयार और सक्षम रहने के लिए हमारी प्रतिबद्धता कायम है। हम यूरोपीय संघ (ईयू) जिसने पूरे क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने में मदद की है , और ट्रान्साटलांटिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए नाटो-यूरोपीय संघ संबंधों को मजबूत किया है, के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना जारी रखेंगे।" "यूक्रेन में **रूसी** हमला से साफ हो जाता है कि यूरोपीय सुरक्षा और क्षेत्रीय नियमों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय नियमों और मानदंडों को हल्के से नहीं लिया सकता... और असंबद्ध	"हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि यूरोपीय सुरक्षा की नींव के रूप में काम करते हुए **नाटो** 21 वीं सदी की चुनौतियों की पूरी श्रृंखला से निपटने में सक्षम है। और हम अनुच्छेद V में अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखेंगे, जो हमारी सामूहिक सुरक्षा का मूल है। मजबूत एकीकरण के लिए यूरोपीय आकांक्षाओं के आधार पर हम अपने साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत यूरोपीय संघ से भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं , खासतौर पर पूर्वी यूरोपीय देशों में लोकतंत्र और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए .... " **रूस** के साथ , "संयुक्त राज्य अमेरिका की दिलचस्पी एक मजबूत , शांतिपूर्ण और समृद्ध रूस में है , जो अंतरराष्ट्रीय मा नदंडों का सम्मान करता है। सक्रिय रूप से यूरोप और एशिया में एक

	और संप्रभु राज्यों का **नाटो गठबंधन** हमारे प्रतिद्वंद्वियों पर हमारे बड़े लाभों में से एक है, और वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद V के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिबद्ध रहेगा।"	सत्य के साथ मॉस्को के भ्रामक प्रचार का मुकाबला करते हुए हम रूस पर प्रतिबंधों और अन्य साधनों के जरिए हर्जाना वसूल करना रखेंगे।"	जिम्मेदार भागीदार के रूप में कार्य करने के लिए रूस के सहयोग की मांग करते हुए, हम रूस के पड़ोसियों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करेंगे।"
मध्य पूर्व	"वर्षों से **ईरानी** विस्तार, राज्य-पतन, जिहादी विचारधारा, सामाजिक-आर्थिक ठहराव और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों की परस्पर समस्याओं ने मध्य पूर्व को दोषी ठहराया है .... दुनिया के प्रमुख आतंकवाद के प्रायोजक ईरान ने अस्थिरता का लाभ उठाते हुए साझेदारों और प्रतिनिधियों के जरिए, हथियार प्रसार और धन के बलबूते अपने प्रभाव का विस्तार किया है..." "पीढ़ियों से **इस्राइल और फिलिस्तीनियों** के बीच संघर्ष को क्षेत्र में शांति और समृद्धि की राह में बाधक समझा गया है। आज, जिहादी आतंकवादी संगठनों और ईरान से खतरा यह अहसास पैदा कर रहा है कि इजरायल इस क्षेत्र की समस्या ओं	"हम मध्य पूर्व के शांतिपूर्ण और समृद्ध दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध हैं , जहां लोकतंत्र की जड़े हैं और मानवाधिकार को समर्थन प्राप्त है... इसलिए हम **इजरायल, जॉर्डन और हमारे खाड़ी साझेदारों** की क्षमता में निवेश कर रहे हैं , जबकि इजरायल की सुरक्षा के लिए अपनी गुणात्मक सैन्य बढ़त सहित अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए आक्रामकता को रोक सकते हैं। हम अधिक समावेशी और उत्तरदायी शासन के माध्यम से सुन्नी शिकायतों को हल करने के लिए इराकी सरकार के साथ काम कर रहे हैं। क्षेत्र और दुनिया भर में हमारे भागीदारों के साथ , हम आईएसआईएल को नीचा दिखाने और	"संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य पूर्व में महत्वपूर्ण हित हैं। उनमें हमारे करीबी दोस्त, **इज़राइल** के साथ कई मुद्दों पर व्यापक सहयोग और इसकी सुरक्षा के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता शामिल हैं; **फिलिस्तीनियों की राज्यत्व की योग्यता, अवसर और उनकी असाधारण क्षमता की प्राप्ति के लिए वैध आकांक्षाओं** की उपलब्धि; इराक की एकता और सुरक्षा तथा उसके लोकतंत्र को कायम करना और क्षेत्र में मजबूती ; **परमाणु हथियारों इसकी खोज , आतंकवाद का समर्थन और अपने पड़ोसियों के लिए खतरों से दूर ईरानी नीति** का परिवर्तन**;** अप्रसार; और आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा तक पहुंच और वैश्विक

	का कारण नहीं है .... संयुक्त राज्य अमेरिका, एक व्यापक शांति समझौते की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है जो इजरायल और फिलिस्तीनियों दोनों को स्वीकार्य है।"	अंततः पराजित करने के लिए एक व्यापक आतंकवाद विरोधी रणनीति का नेतृत्व कर रहे हैं। साथ ही , हम **सीरिया** में विनाशकारी संघर्ष का स्थायी राजनीतिक समाधान जारी रखेंगे।" इसलिए ईरान के साथ एक व्यापक समझौते के लिए सहयोगियों और भागीदारों के साथ काम करना अमेरिका जारी रखेगा, जो ईरानी परमाणु कार्यक्रम के साथ दुनिया की चिंताओं को हल करता है। हम **इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष** को दो-राष्ट्र के रूप में समाधान के माध्यम से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं , जो इजरायल की सुरक्षा और फिलिस्तीन की व्यवहार्यता सुनिश्चित करता है। ... हम एक स्थिर **यमन** की चाह रखते हैं , जो कठिन संरचनात्मक सुधार आरंभ करता है और अल-क़ायदा तथा अन्य विद्रोहियों के सक्रिय खतरे का सामना करता है।"	बाजारों में इस क्षेत्र का एकीकरण शामिल है।"

दक्षिण और मध्य एशिया	"इस क्षेत्र में मध्य पूर्व से निकलने वाले आतंकवादी खतरे और यूरोप और इंडो-पैसिफिक में शक्ति प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा फैला हुआ है। ... क्षेत्र में अमेरिका की दिलचस्पी आतंकवादी खतरों का मुकाबला करने, जो अमेरिकी मातृभूमि और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा को प्रभावित करते हैं ; सीमा पार आतंकवाद को रोकने , जो सैन्य और परमाणु तनाव की संभावना को बढ़ाते हैं ; और परमाणु हथियार , इसकी प्रौद्योगिकी और सामग्री आतंकवादियों के हाथ लगने से रोकने में हैं।" "हम एक ऐसा **पाकिस्तान** चाहते हैं जो अस्थिर व्यवहार करने में न लगा हो। हम एक स्थिर और आत्मनिर्भर **अफगानिस्तान** चाहते हैं। और ऐसे हम **मध्य एशियाई राष्ट्रों** की कामना करते हैं , जो प्रतिद्वंद्वी शक्ति यों द्वारा वर्चस्व के खिलाफ लचीला हो, जिहादियों का सुरक्षित	दस्तावेज़ में क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में दक्षिण और मध्य एशिया का उल्लेख है लेकिन अलग- अलग वर्गों के रूप में नहीं।	(कोई संदर्भ उपलब्ध नहीं)

	ठिकाने बनने से रोके, और सुधारों को प्राथमिकता दे।"		
पश्चिमी गोलार्ध्द	दस्तावेज़ ने इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चुनौतियों को सूचीबद्ध किया, जैसे कि "अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन - जिनमें गिरोह और कार्टेल शामिल हैं - हिंसा और भ्रष्टाचार को यादगार करते हैं ; ग्वाटेमाला, होंडुरास और अल सल्वाडो र सहित मध्य अमेरिकी राज्यों की स्थिरता आदि। वेनेजुएला और क्यूबा में, सरकारें एनाक्रोनोनिस्ट वामपंथी अधिनायकवादी मॉडल से चिपकी हुई हैं जो अपने नागरिकों लगातार असफल कर रही है । "इसने वेनेजुएला और क्यूबा में शासन का समर्थन करने में चीन और रूस की भूमिका पर भी बात की। "**कनाडा** और संयुक्त राज्य अमेरिका एक अद्वितीय रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को साझा करते हैं।"	"वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए गोलार्ध तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। हालांकि, इन लाभों को कमजोर संस्थानों , अपराध की उच्च दर , शक्तिशाली संगठित अपराधिक समूहों , अवैध ड्रग व्यापार , आर्थिक असमानता , और अपर्याप्त शिक्षा तथा स्वास्थ्य प्रणालियों ने जोखिम में डाल दिया है। अपने गोलार्ध में समृद्धि को आगे बढ़ाते हुए इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हम अपनी सामूहिक आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए **कनाडा और मैक्सिको** के साथ काम कर रहे हैं। **चिली, पेरू, मैक्सिको और कनाडा** के साथ , हम नए वैश्विक व्यापार मानक स्थापित कर रहे हैं, क्योंकि हम अमेरिका में देशों की एक मजबूत टुकड़ी विकसित करते हैं ; जो टीपीपी को शामिल करने के लिए खुले	(दस्तावेज़ का क्षेत्र पर एक अलग उप- शीर्षक नहीं है। प्रभाव के उभरते केंद्रों के शीर्षक के तहत, अमेरिका का उल्लेख किया गया था।) "अमेरिका में , हम निकटता, एकीकृत बाजारों, ऊर्जा पर परस्पर निर्भरता , लोकतंत्र के लिए एक व्यापक रूप से साझा प्रतिबद्धता और कानून के शासन से बंधे हैं।"

		व्यापार प्रणालियों का समर्थन करते हैं। हम **ब्राजील** के साथ अपनी आर्थिक साझेदा री को आगे बढ़ाना चाहते हैं ...." दस्तावेज़ ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने **वेनेजुएला** की स्थिति की निंदा करते हुए कोलंबिया के क्रांतिकारी सशस्त्र बलों के साथ **कोलंबियाई शांति समझौते** का समर्थन किया।	
अफ्रीका	"अफ्रीका में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं , जो अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए संभावित नए बाजारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। गुणवत्ता वाले अमेरिकी निर्यात की मांग अधिक है और संभवतः अफ्री की जनसंख्या और समृद्धि बढ़ने से यह और बढ़ेगा।" "लंबे समय से चल रहे , हिंसक संघर्षों को समाप्त करने के लिए सरकारों, नागरिक समाज और क्षेत्रीय संगठनों के साथ	"दशकों तक अफ्रीका के साथ अमेरिकी जुड़ाव को अफ्रीकी नागरिकों की असुरक्षा , अकाल और बीमारी को कम करने में मदद के रूप में परिभाषित किया गया था। इसके विपरीत, आज हम जो साझेदारी कर रहे हैं , और आने वाले वर्षों में विस्तार करेंगे , जिसका उद्देश्य अफ्रीकियों की आकांक्षाओं पर निर्माण करना है .... संयुक्त राष्ट्र संघ और अफ्रीकी संघ के साथ माली और सोमालिया में हमारी साझेदारी द्वारा मिसाल पेश करके हम अफ्रीकी देशों और संस्थानों के	(दस्तावेज़ में इस क्षेत्र के लिए अलग उप-शीर्षक नहीं है। प्रभाव के उभरते केंद्र के शीर्षक के तहत अफ्रीका का उल्लेख किया गया था।) "संयुक्त राज्य अमेरिका यह सुनिश्चित करके एक आकर्षक और प्रभावशाली भागीदार बनने के लिए काम करेगा ताकि बुनियादी ढांचे के विकास जैसी अफ्रीकी प्राथमिकताओं , सत्ता तक विश्वसनीय पहुंच में सुधार, और व्यापार तथा निवेश में वृद्धि हमारे एजेंडे में शीर्ष पर रहे।"

	संयुक्त राज्य अमेरिका भागीदारी करेगा। हम साझेदारों के साथ आतंकवादी संगठनों और अन्य लोगों को हराने के लिए काम करेंगे जो अमेरिकी नागरिकों और मातृभूमि के लिए खतरा हैं।"	साथ अपनी सुरक्षा साझेदारी को गहरा कर रहे हैं।" दस्तावेज़ ने लीबिया को स्थिर करने और ट्यूनीशिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए भागीदार देशों के साथ काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसमें मिस्र के साथ रणनीतिक सहयोग बनाए रखने की आवश्यकता का भी जिक्र है।	
मान्यताएं	"स्वतंत्रता, स्वतंत्र उद्यम, कानून के तहत समान न्याय, और एक व्यक्ति के रूप में प्रत्येक मानव जीवन की गरिमा हमारे लिए अहम है। ये सिद्धांत हमारे सबसे स्थायी गठबंधनों की नीं व बनाते हैं , और संयुक्त राज्य अमेरिका इनका हिमायती बना रहेगा।" दस्तावेज़ में आगे कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र वे होंगे, जो दमनात्मक शासन के अधीन रहते हैं, महिलाओं और	"विदेशों में सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए... महत्वपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन का सामना करने वाले दुनिया का प्रभावीशाली नेतृत्व करने के लिए , संयुक्त राज्य अमेरिका को घरेलू स्तर पर भी उन मान्यताओं को जीना चाहिए। हमारी मान्यताएं शक्ति और सुरक्षा का एक स्रोत हैं, और विदेशों में हमारे मूल्यों को बढ़ावा देने की हमारी क्षमता घरेलू स्तर पर उनका पालन करने की हमारी इच्छा से सीधे जुड़ी हुई है।"	"अमेरिका किसी अन्य देश पर सरकार की कोई प्रणाली लागू नहीं करेगा, लेकिन हमारी दीर्घकालिक सुरक्षा और समृद्धि सार्वभौमिक मूल्यों के लिए हमारे स्थिर समर्थन पर निर्भर करती है, जो हमें अपने दुश्मनों, प्रतिकूल सरकारों और प्रभाव के मद्देनजर कई संभावित प्रतियोगियों से अलग करती है। सार्वभौमिक अधिकारों के लिए बोलकर , नाजुक लोकतंत्रों और नागरिक समाज का समर्थन करके , और

	युवाओं को सशक्त बनाते हैं, आतंकवाद को हराते हैं , धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों की रक्षा करते हैं और मानवीय सहायता प्रदान करते हैं।	इसने इस तथ्य का उल्लेख किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए यातना का उपयोग नहीं करेगा; लोकतंत्र और नागरिक समाज के नेताओं और उभरते हुए लोकतंत्रों का समर्थन करेगा; लिंग, धर्म, यौन अभिविन्यास आदि की परवाह किए बिना सभी लोगों को समानता प्रदान करेगा और सामूहिक अत्याचा रों के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का नेतृत्व करेगा ।	विकास के साथ आने वाली गरिमा का समर्थन करते हुए विभिन्न साधनों के जरिए हम से ऐसा करेंगे।" दस्तावेज़ में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अत्याचार रोकने, पारदर्शिता के बीच संतुलन बनाए रखने और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए खुफिया की गोपनीयता की आवश्यकता को बनाए रखने और लोकतंत्रों को बढ़ावा देने के लिए अपने मूल्यों को बढ़ावा देगा। यह लैंगिक अधिकारों, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा और मानवीय संकट को हल करने के प्रयासों का नेतृत्व करने की प्रतिबद्धता को भी महत्व देता है।

निष्कर्ष

राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति दस्तावेज़ इस प्रशासन के लिए अगले तीन वर्षों तक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति का एक संकेत है। अगर कोई दस्तावेज़ पढ़ता है तो यह उसके लिए स्पष्ट सबूत है कि यह उन विचारों के अनुरूप है जो राष्ट्रपति ने अपने अभियान के दौरान कई अवसरों पर प्रस्तुत किए हैं , मसलन; दीवार का निर्माण और अनुचित व्यापा रिक कृत्य आदि। और बाद अमेरिका और अमेरिका से बाहर दिए गए भाषणों में, जैसे कि नाटो में उचित बोझ साझा करना, अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए ऊर्जा के सभी स्रोतों की खोज करना आदि। यह भी स्पष्ट है कि नए एनएसएस दस्तावेज़ में बहुत सारे ऐसे विषय शामिल हैं

जो राष्ट्रपति ओबामा के शासनकाल में चर्चा में थे जैसे कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता , सुरक्षा क्षेत्र में शामिल अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ काम करना , आसियान आदि के साथ काम करने की जरूरत के साथ ही यह इस बात का भी ध्यान रखना कि अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में चीन और रूस प्रतिस्पर्धी हैं , अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से निपटने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है आदि। बहरहाल, काम करने का तरीका बदल गया है। अपने तनाव में अमेरिका को सबसे पहले रख कर एनएसएस दस्तावेज़ इस विषय को आगे लेकर चलता है। अमेरिकी औद्योगिक आधार के निर्माण , एक सुरक्षा प्रणाली ; जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका अपने सहयोगियों की सहायता के लिए आएगा , लेकिन उन्हें वित्तीय बोझ साझा करने की भी जरूरत है ; के मामले में निष्पक्ष और पारस्परिक व्यापारिक समझौते के लिए विभिन्न देशों के साथ काम करने पर तनाव है। अमेरिकी सेना को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने पूर्ववर्ती की ही तरह ऊर्जा सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया है। बहरहाल , राष्ट्रपति ओबामा , जिन्होंने जलवायु परिवर्तन को सुरक्षा के मद्देनजर खतरे के रूप में देखा था और इस तरह अमेरिकी उद्योगों में नए विकास और नवाचार को बढ़ावा देने वाले जलवायु परिवर्तन समाधानों के साथ स्थायी अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया था ,; के विपरीत राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करते हुए यह जीवाश्म ईंधन का भी पता लगाएगा। प्रौद्योगिकी में अधिक नवाचार के लिए बढ़ावा देने की आवश्यकता के तहत नवीकरणी के स्थायी विकास या वृद्धि का कोई जिक्र नहीं है।

क्षेत्रीय संदर्भ में दस्तावेज़ में इंडो-पैसिफ़िक का उल्लेख किया गया है और उन विचारों को आगे बढ़ाया गया है, जो हाल ही में संपन्न हुए एशिया दौरे के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा व्यक्त किए गए हैं। **दस्तावेज़ उभरती शक्ति के रूप में भारत के साथ घनिष्ठ संबंध और विश्व में अपने अन्य साझेदारों के साथ भी निकट सहयोग की बात करता है। इसमें यह भी कहा गया है कि क्षेत्र में अपने संबंधों को मजबूत करने के भारत के प्रयासों का समर्थन करते हुए, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा संबंधों का विस्तार करना जारी रखेगा। 2018 एनएसएस में कहा गया है कि भारत 'वैश्विक शक्ति' के रूप में उभरने का संयुक्त राज्य अमेरिका स्वागत करता है , जबकि 2015 के एनएसएस में भारत को 'क्षेत्रीय' सुरक्षा मुहैया करनेवाला और क्षेत्रीय संस्थान के के लिए भारत विस्तारित की भूमिका का संयुक्त राज्य अमेरिका के समर्थन की बात कही गयी है।** निश्चित तौर पर कोई भी कह सकता है कि अतीत के विपरीत भारत का जिक्र प्रशासन की विदेश नीति को परिभाषित करने वाली भूमिका के संदर्भ में किया गया है। इस दस्तावेज़ में इसकी आर्थिक शक्तियों, चीन का उल्लेख किया गया है और अपनी सुरक्षा और सैन्य पहुंच के संदर्भ में भारत-प्रशांत और लैटिन अमेरिका, कैरिबियन तथा अफ्रीका में इसके बढ़ते प्रभाव का जिक्र है। यह चीन द्वारा 'यूरोप में 'पैर रखने की जगह' बनाने और 'अनुचित' व्यापार अभ्यास और प्रमुख उद्योगों में निवेश की भी बात दस्तावेचज करता है। रूस एक ऐसे देश के रूप में भी उल्लेख पाया जाता है जो अपनी मिसाइल रक्षा और चीन के साथ रणनीतिक संबंधों को बढ़ा रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि रूस दुनिया भर में जनता की राय को प्रभावित करने के अपने प्रयासों में अपने सूचना संचालन का उपयोग कर रहा है। एनएसएस दस्तावेज़ में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया भर में बढ़ ती आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का सामना करेगा।

दस्तावेजों में एक और अंतर पाया गया वह यह कि अपने पूर्ववर्ती के विपरीत, राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह नहीं कहा है कि यातना का उपयोग खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए नहीं किया जाएगा और न ही वह कहता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका लोकतंत्रों को बढ़ावा देगा।

मान्यताएं शीर्षक के तहत दोनों प्रशासनों के बीच भी अंतर स्पष्ट है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने उन मान्यताओं को परिभाषित किया है जो उन्हें लगता है कि अमेरिकी नागरिकों के लिए प्रमुख हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन मान्यताओं, स्वतंत्रता, मुक्त उद्यम, कानून के तहत समान न्याय और मानव जीवन की गरिमा के मामले में उनका प्रशासन चैंपियन होगा। दूसरी ओर ओबामा प्रशासन ने भी, घरेलू और विदेशों मोर्चे में अमेरिकी मान्यताओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया था, फिर भी, उन्होंने उन्हें परिभाषित नहीं किया कि यह किन मान्यताओं को बढ़ावा दे रहा था।

एनएसएस 2017 के दस्तावेज़ में व्यक्त किए गए विचारों में हैरान करने वाली कोई बात नहीं है। यह अमेरिकी नागरिकों और अमेरिकी हितों और अमेरिकी जीवन शैली की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देता है। एक रणनीति दस्तावेज़ के रूप में ट्रम्प प्रशासन अमेरिकी हितों और उन्हें प्राप्त करने के साधनों को कैसे परिभाषित करता है, इसका एक स्पष्ट संकेत देता है।

****

** डॉ. श्रुति बनर्जी, रिसर्च फेलो, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली।*
अस्वीकरण: व्यक्त किए गए विचार शोधकर्त्ता के हैं, न कि काउंसिल के।